रोल नं. ☐☐☐☐☐☐☐☐

प्रश्न-पत्र कोड 2/1/1

हिंदी (आधार)

CBSE Class XII Board Examination 2024 — with answers

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. प्रश्न-पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं और सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न-पत्र दो खंडों में बँटा है — खंड अ और खंड ब।
3. खंड अ में 40 अंकों के बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न हैं; निर्देशों के अनुसार सभी के उत्तर दीजिए।
4. खंड ब में वर्णनात्मक प्रश्न हैं; इनमें आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
5. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर उसके साथ दिए गए निर्देश और शब्द-सीमा के अनुसार लिखिए।
6. जहाँ तक हो सके, प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड अ

बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न — कुल 40 अंक; प्रत्येक उप-प्रश्न 1 अंक का।

1. *अपठित गद्यांश — 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भारतीय अवधारणा, पूरे विश्व को एक परिवार मानने और उससे वैश्विक शांति व बंधुत्व बढ़ने पर — यहाँ नहीं दिया गया है। इस पर आधारित प्रश्न 1 (i)–(x) बहुविकल्पी हैं, प्रत्येक 1 अंक का।* **10**

2. *अपठित काव्यांश — घने कुहरे के बीच स्वयं को सूरज न सही, एक नन्हा दिया मानकर अपनी सीमित लौ के साथ आत्मविश्वास से जीने का भाव — यहाँ नहीं दिया गया है। इस पर आधारित प्रश्न 2 (i)–(v) बहुविकल्पी हैं (एक स्तंभ-मिलान सहित), प्रत्येक 1 अंक का।* **5**

3. *अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न — सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए।* **5**

(क) टेलीविज़न समाचार में जब किसी घटना के दृश्य के साथ प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित लोगों की बातचीत दिखाकर-सुनाकर ख़बर को पक्का (प्रामाणिक) बनाया जाता है, तो इसे क्या कहते हैं?

(A) एंकर-पैकेज
(B) एंकर-बाइट
(C) एंकर-विजुअल
(D) ड्राई एंकर

उत्तर
(B) एंकर-बाइट

'बाइट' का अर्थ है घटना से जुड़े व्यक्ति या प्रत्यक्षदर्शी का कथन।
एंकर ख़बर पढ़ता है और साथ में दृश्य तथा लोगों के कथन (बाइट) दिखाए जाते हैं, जिससे ख़बर विश्वसनीय बनती है — यही एंकर-बाइट है।
ड्राई एंकर में केवल एंकर ख़बर पढ़ता है, दृश्य नहीं होते; एंकर-विजुअल में केवल दृश्य होते हैं, कथन नहीं।

(ख) इनमें से कौन-सा समाचार-पत्र छपे रूप में नहीं निकलता, बल्कि केवल इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है?

(A) अमर उजाला
(B) जनसत्ता
(C) प्रभात ख़बर
(D) प्रभासाक्षी

उत्तर
(D) प्रभासाक्षी

प्रभासाक्षी हिंदी का ऐसा समाचार-पत्र है जो केवल इंटरनेट (वेब) संस्करण के रूप में उपलब्ध है।
अमर उजाला, जनसत्ता और प्रभात ख़बर छपे हुए अख़बार हैं (इनके वेब संस्करण भी हैं)।

(ग) समाचार और फ़ीचर दोनों पत्रकारीय लेखन हैं पर इनमें काफ़ी अंतर है। निम्न में से कौन-सी बात समाचार के लिए ज़रूरी नहीं है?

(A) सूचना देना
(B) फोटो या ग्राफिक्स होना
(C) ताज़ी घटना से अवगत कराना
(D) शब्द सीमा का होना

उत्तर
(B) फोटो या ग्राफिक्स होना

समाचार का मूल काम ताज़ी घटना की सूचना देना है और उसकी एक सीमित शब्द-सीमा होती है।
फोटो या ग्राफिक्स फ़ीचर को आकर्षक बनाने के लिए प्रायः ज़रूरी माने जाते हैं, पर समाचार उनके बिना भी पूरा होता है।

(घ) कुछ लेखक अपने ख़ास विचारों और लेखन शैली के कारण लोकप्रिय होते हैं, इसलिए अख़बार उन्हें नियमित रूप से लिखने का काम सौंप देता है। ऐसे लेखन को क्या कहते हैं?

(A) स्तंभ लेखन
(B) फ़ीचर लेखन
(C) आलेख लेखन
(D) विचारपरक लेखन

उत्तर
(A) स्तंभ लेखन

स्तंभ (कॉलम) लेखन विचारपरक लेखन का एक रूप है जिसमें लोकप्रिय लेखक को एक निश्चित स्तंभ में नियमित रूप से लिखने का अवसर मिलता है।
स्तंभ प्रायः लेखक के नाम से ही पहचाना जाता है।

(ङ) पत्रकार पार्थ सामान्य ख़बरों तक सीमित न रहकर विज्ञान-प्रौद्योगिकी से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का गहराई से विश्लेषण करते हैं। उनकी रिपोर्टिंग को क्या कहेंगे?

(A) बीट रिपोर्टिंग
(B) **विशेषीकृत रिपोर्टिंग**
(C) फ्रीलांसिंग
(D) संपादकीय

उत्तर
(B) विशेषीकृत रिपोर्टिंग

बीट रिपोर्टिंग में संवाददाता अपने क्षेत्र की सामान्य ख़बरें देता है।
विशेषीकृत रिपोर्टिंग में किसी विषय (जैसे विज्ञान-प्रौद्योगिकी) की घटनाओं के कारण, प्रभाव और अर्थ का बारीकी से विश्लेषण किया जाता है — पार्थ यही करते हैं।

4. *पाठ्यपुस्तक (आरोह) पर आधारित पठित काव्यांश — कुँवर नारायण की कविता 'कविता के बहाने' का वह अंश, जिसमें कविता की उड़ान की तुलना चिड़िया की उड़ान से की गई है (अंश यहाँ नहीं दिया गया है)। इस पर आधारित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए।* **5**

(क) इस अंश में कवि ने कविता को क्या बताया है?

(A) एक उत्सव है
(B) एक मंज़िल है
(C) एक यात्रा है
(D) एक पंछी है

उत्तर
(C) एक यात्रा है

कवि के अनुसार कविता एक उड़ान अर्थात् एक यात्रा है, जो चिड़िया के बहाने शुरू होती है पर उससे कहीं आगे तक जाती है।
कविता की यह यात्रा कल्पना की यात्रा है जो देश-काल की सीमा नहीं मानती।

(ख) 'कविता के बहाने' (कुँवर नारायण) के इसी अंश के अनुसार कविता और चिड़िया में कौन-सी समानता है?

(A) उड़ान की
(B) पंखों की
(C) गति की
(D) विचारों की

उत्तर
(A) उड़ान की

कवि कहता है कि कविता भी चिड़िया की तरह उड़ान भरती है — यही दोनों की समानता है।
अंतर यह है कि चिड़िया की उड़ान सीमित है, जबकि कविता की उड़ान (कल्पना) असीम है।

(ग) 'कविता के बहाने' के इसी अंश के अनुसार सही कथन चुनिए।

(A) चिड़िया और कविता दोनों की उड़ान व्यापक है।
(B) चिड़िया की उड़ान एक सीमा तक है परंतु कविता की उड़ान असीम है।
(C) कविता की उड़ान चिड़िया की उड़ान पर निर्भर करती है।
(D) चिड़िया दूर तक उड़ सकती है जबकि कविता केवल किताब के पन्नों तक।

उत्तर
(B) चिड़िया की उड़ान सीमित है, कविता की उड़ान असीम है।

कवि बार-बार कहता है कि चिड़िया कविता की उड़ान को क्या जाने — चिड़िया घर-आँगन, बाहर-भीतर तक ही उड़ सकती है।
कविता कल्पना के पंख लगाकर हर सीमा पार कर जाती है, इसलिए उसकी उड़ान असीम है।

(घ) 'कविता के बहाने' में 'कविता के पंख लगाकर उड़ने' की बात कही गई है। यहाँ 'कविता के पंख' से क्या आशय है?

(A) विशद व्याख्या
(B) शब्द-अर्थ की विसंगति
(C) संश्लेषण-विश्लेषण
(D) कल्पनाशीलता

उत्तर
(D) कल्पनाशीलता

कविता जिन पंखों से उड़ती है, वे कवि की कल्पना के पंख हैं।
कल्पनाशीलता के कारण ही कविता देश-काल की सीमाएँ पार कर पाती है।

(ङ) 'कविता के बहाने' कविता के अनुसार कविता की उड़ान को कौन नहीं समझ सकता?

(A) पाठक
(B) **चिड़िया**
(C) कवि
(D) समीक्षक

उत्तर
(B) चिड़िया

कवि कहता है — कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने।
चिड़िया की उड़ान सीमित है, इसलिए वह कविता की असीम उड़ान का अर्थ नहीं समझ सकती।

5. *पठित गद्यांश — धर्मवीर भारती के पाठ 'काले मेघा पानी दे' का वह अंश, जिसमें लेखक कहता है कि आज माँगें तो बड़ी हैं पर त्याग नहीं, स्वार्थ ही लक्ष्य बन गया है और भ्रष्टाचार की चर्चा करने वाले स्वयं उसके अंग बन जाते हैं (अंश यहाँ नहीं दिया गया है)। इस पर आधारित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए।* **5**

(क) अंश में आए 'त्याग' शब्द का समानार्थी शब्द कौन-सा है?

(A) त्योरस
(B) **त्यजन**
(C) त्यौनार
(D) त्योहार

उत्तर
(B) त्यजन

'त्याग' का अर्थ है छोड़ना; 'त्यजन' भी 'त्यज्' (छोड़ना) धातु से बना है, अतः समानार्थी है।
त्योरस, त्यौनार और त्योहार का 'त्याग' से कोई संबंध नहीं।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' के इसी अंश का केंद्रीय भाव क्या है?

(A) देश प्रेम की व्याख्या
(B) भ्रष्टाचार की व्याख्या
(C) वर्षा का वर्णन
(D) **स्वार्थ और भ्रष्टाचार के दुष्परिणाम**

उत्तर
(D) स्वार्थ और भ्रष्टाचार के दुष्परिणाम

लेखक बताता है कि स्वार्थ और भ्रष्टाचार के कारण साधन (मेघ, पानी) होते हुए भी आम आदमी तक लाभ नहीं पहुँचता — गगरी फूटी रहती है, बैल प्यासे रह जाते हैं।
इसलिए अंश का केंद्रीय भाव स्वार्थ और भ्रष्टाचार के दुष्परिणाम हैं।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' के इसी अंश के अनुसार सही कथन चुनिए।

(A) जब मनुष्य निज स्वार्थ की सोचता है तब वह देश हित के लिए भी कार्य करता है।
(B) जब मनुष्य अपने कर्तव्य से अधिक अधिकार की माँग करता है तब वह त्याग का नाम भी लेता है।
(C) जब मनुष्य समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार पर चर्चा करता है तो उसके उन्मूलन के विकल्प भी सोचता है।
(D) **जब मनुष्य निज स्वार्थ को सर्वोपरि मानता है तब वह भी भ्रष्टाचार का अंग बन जाता है।**

उत्तर
(D) स्वार्थ को सर्वोपरि मानने वाला स्वयं भ्रष्टाचार का अंग बन जाता है।

लेखक प्रश्न करता है कि क्या हमने कभी जाँचा कि अपने दायरे में हम स्वयं उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे।
जब स्वार्थ ही एकमात्र लक्ष्य हो जाता है, तब व्यक्ति स्वयं भ्रष्टाचार में भागीदार बन जाता है।

(घ) 'काले मेघा पानी दे' के इसी अंश के कथनों (स्तंभ-I) को उनके आशय (स्तंभ-II) से मिलाइए —
स्तंभ-I: 1. पानी झमाझम बरसता है; 2. काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं; 3. गगरी फूटी रह जाती है, बैल प्यासे रह जाते हैं।
स्तंभ-II: (i) अपार धन-राशि भेजी जाती है; (ii) आम जनता की ज़रूरतें/स्थिति जैसी की तैसी रहती है; (iii) सहायता के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ बनती हैं।

(A) **1-(i), 2-(iii), 3-(ii)**
(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(D) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

उत्तर

(A) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

बादलों का उमड़ना = अनेक कल्याणकारी योजनाओं का बनना; पानी का झमाझम बरसना = उन योजनाओं के लिए अपार धन भेजा जाना।
फिर भी गगरी फूटी और बैल प्यासे = आम आदमी की हालत ज्यों की त्यों, क्योंकि धन भ्रष्टाचार में खो जाता है।

(ङ) 'काले मेघा पानी दे' के इसी अंश में लेखक पूछता है कि यह स्थिति आख़िर कब बदलेगी। अंश के आधार पर बताइए कि देश की स्थिति कैसे बदल सकती है?

(A) अपनी भलाई कर लेने से

(B) मन में विचार कर लेने से

(C) स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से

(D) सबको आजीविका प्राप्त होने से

उत्तर

(C) स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से

समस्या की जड़ स्वार्थ और भ्रष्टाचार है, अतः स्थिति तभी बदलेगी जब हर व्यक्ति अपने स्तर पर इनसे दूर रहे और त्याग की भावना अपनाए।

6. *पूरक पाठ्यपुस्तक (वितान) पर आधारित प्रश्न — सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए।* **10**

(क) 'सिल्वर वैडिंग' में लेखक ने यशोधर बाबू को किशनदा का कौन-सा पुत्र कहा है?

(A) मानस पुत्र **(B)** दत्तक पुत्र

(C) पुत्र **(D)** जन्मजात पुत्र

उत्तर
(A) मानस पुत्र

किशनदा ने यशोधर बाबू को आश्रय, नौकरी और संस्कार दिए; यशोधर बाबू उनके विचारों और आदतों को ही अपनाकर जीते हैं।
इसलिए लेखक उन्हें किशनदा का 'मानस पुत्र' (विचारों से बना पुत्र) कहता है।

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' के अनुसार मुअनजो-दड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर क्या स्थित है?

(A) मंदिर **(B)** राजमहल

(C) बौद्ध स्तूप **(D)** विशाल भवन

उत्तर
(C) बौद्ध स्तूप

मुअनजो-दड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर एक बौद्ध स्तूप है, जो सिंधु सभ्यता के बिखरने के बहुत बाद (लगभग 2600 वर्ष पहले) बना था।

(ग) 'अतीत में दबे पाँव' के अनुसार मुअनजो-दड़ो की मुख्य सड़क कितनी चौड़ी है?

(A) 32 फीट **(B)** 20 फीट

(C) 33 फीट **(D)** 23 फीट

उत्तर
(C) 33 फीट

लेखक बताता है कि नगर की मुख्य सड़क (उत्तर-दक्षिण) लगभग 33 फुट चौड़ी है, जिस पर एक साथ दो बैलगाड़ियाँ आराम से निकल सकती थीं।

(घ) 'सिल्वर वैडिंग' के संदर्भ में —
कथन: अपनी सिल्वर वैडिंग की भव्य पार्टी भी यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रॉपर' लगी।
कारण: यशोधर बाबू को केक काटना विलायती परंपरा और बचकानी बात लगती थी।

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर
(D) दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

यशोधर बाबू पुराने संस्कारों वाले व्यक्ति हैं; विवाह की वर्षगाँठ पर पार्टी, केक काटना आदि उन्हें पश्चिमी और बचकाना लगता है।
इसी कारण बच्चों द्वारा आयोजित पार्टी उन्हें 'समहाउ इंप्रॉपर' लगी — अतः कारण कथन को सही ढंग से समझाता है।

(ङ) 'जूझ' पाठ के संदर्भ में इन कथनों पर विचार कीजिए —

I. लेखक अपने अध्यापक से सुनी कविताएँ पढ़ाई करते हुए गाता था।

II. मंत्री मास्टर गणित पढ़ाते थे।

III. मास्टर सौंदलगेकर के प्रयास से लेखक की हिंदी सुधरने लगी।

IV. लेखक के पिता उसे पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे।

सही कथन/कथनों वाला विकल्प चुनिए।

(A) कथन I तथा II सही हैं।

(B) कथन II सही है।

(C) कथन II तथा III सही हैं।

(D) कथन I, II तथा IV सही हैं।

उत्तर

(B) केवल कथन II सही है।

मंत्री मास्टर कक्षा में गणित पढ़ाते थे — कथन II सही।
लेखक कविताएँ ढोर चराते और खेत में काम करते हुए गाता था (I ग़लत); सौंदलगेकर मराठी पढ़ाते थे (III ग़लत); पिता (दादा) पढ़ाई के विरोधी थे (IV ग़लत)।

(च) 'सिल्वर वैडिंग' में बेटों से अनेक शिकायतें होते हुए भी यशोधर बाबू को उन पर गर्व क्यों था?

(A) घर की आर्थिक स्थिति सुधर जाने के कारण

(B) छोटी उम्र में ही बेटे द्वारा मोटी तनख्वाह पा जाने के कारण

(C) सांसारिक मानकों के अनुसार बड़ा आदमी मान लिये जाने के कारण

(D) घर में आधुनिक सुख-सुविधा के साधन आ जाने के कारण

उत्तर

(C) बेटे सांसारिक दृष्टि से बड़े आदमी माने जाने लगे थे।

बेटों का रहन-सहन और विचार यशोधर बाबू को पसंद नहीं थे, फिर भी दुनिया की नज़र में वे सफल और 'बड़े आदमी' बन गए थे।
समाज में मिलने वाली इस प्रतिष्ठा के कारण यशोधर बाबू को मन ही मन उन पर गर्व होता था।

(छ) 'जूझ' कहानी के अनुसार पाठशाला जाने की इच्छा लेखक ने सबसे पहले किससे प्रकट की?

(A) दादा से

(B) माँ से

(C) दत्ता जी राव से

(D) सौंदलगेकर से

उत्तर

(B) माँ से

लेखक ने रात को माँ के साथ कंडे थापते समय सबसे पहले माँ से पढ़ने की बात की।
फिर माँ और लेखक दत्ता जी राव देसाई के पास गए, जिन्होंने दादा को समझाया।

(ज) 'जूझ' कहानी से लेखक के स्वभाव की कौन-सी विशेषता सामने आती है?

(A) घूमने-फिरने की

(B) झूठ बोलने की

(C) संघर्ष करने की

(D) अपने मन का करने की

उत्तर

(C) संघर्ष करने की

'जूझ' का अर्थ ही संघर्ष है। लेखक पिता के विरोध, खेत के काम, स्कूल में शरारती लड़कों और नए वातावरण से लगातार जूझते हुए पढ़ाई जारी रखता है।

अतः कहानी उसकी संघर्षशील प्रकृति को उजागर करती है।

(झ) 'सिल्वर वैडिंग' में जब पत्नी मकान को लेकर भविष्य की चिंता करती हैं, तब यशोधर बाबू नकली हँसी क्यों हँसते हैं?

(A) अपनी गलती स्वीकार करना
(B) अपनी परेशानी को छिपाना
(C) पत्नी की खिल्ली उड़ाना
(D) मन ही मन खुश होना

उत्तर
(A) अपनी गलती स्वीकार करना (अंक-योजना के अनुसार)
यशोधर बाबू ने अपना मकान नहीं बनवाया था; रिटायरमेंट के बाद क्वार्टर छोड़ना पड़ेगा — पत्नी की बात सही थी।
पत्नी के तर्क का उत्तर न होने पर उनकी खोखली हँसी मानो अपनी चूक को स्वीकार कर लेने जैसी थी।
ध्यान दें: CBSE अंक-योजना ने विकल्प (A) को सही माना है।

(ञ) 'अतीत में दबे पाँव' के लेखक के अनुसार सिंधु सभ्यता का सौंदर्य किस बात में है?

(A) राज-पोषित होने में
(B) समाज-पोषित होने में
(C) धर्म-पोषित होने में
(D) व्यापार-पोषित होने में

उत्तर
(B) समाज-पोषित होने में
लेखक कहता है कि सिंधु सभ्यता का सौंदर्य-बोध राजा या धर्म के संरक्षण से नहीं, बल्कि समाज से पोषित था।
इसीलिए उसमें भव्यता या आडंबर के बजाय सादगी और आम जीवन की सुंदरता दिखती है।

खंड ब

वर्णनात्मक प्रश्न — कुल 40 अंक; आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

7. लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए — विषय: 'प्रातःकाल योग करते लोग'। **6**

उत्तर

आरंभ (सुबह का दृश्य) → विषय-वस्तु (पार्क में अलग-अलग उम्र के लोग, आसन-प्राणायाम, लाभ) → प्रस्तुति → निष्कर्ष; भाषा सरल व सजीव।

आदर्श उत्तर (संक्षेप): सूरज की पहली किरणों के साथ मोहल्ले का पार्क जाग उठता है। हरी घास पर दरियाँ बिछ जाती हैं। कहीं बुज़ुर्ग अनुलोम-विलोम कर रहे हैं, कहीं युवा सूर्य नमस्कार में लीन हैं, तो कहीं बच्चे उत्सुकता से उनकी नक़ल कर रहे हैं। प्रशिक्षक की शांत आवाज़ के साथ गहरी साँसों की लय पूरे वातावरण को शांत बना देती है। ठंडी हवा, पक्षियों की चहचहाहट और खिलखिलाकर हँसने वाला 'हास्य योग' मन को ताज़गी से भर देता है। योग से शरीर लचीला और मन एकाग्र होता है, रोगों से बचाव होता है। ऐसे दृश्य संदेश देते हैं कि स्वस्थ दिनचर्या ही सुखी जीवन की कुंजी है।

अंक-विभाजन: आरंभ 1, विषय-वस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

अथवा

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए — विषय: 'मौसम की पहली बारिश'।

उत्तर

आरंभ (भीषण गर्मी/इंतज़ार) → विषय-वस्तु (बादल, पहली बूँदें, मिट्टी की सोंधी गंध, बच्चे-किसान-पक्षी) → अनुभूति → निष्कर्ष।

आदर्श उत्तर (संक्षेप): जेठ की तपती दोपहरों के बाद एक शाम आसमान अचानक काले बादलों से घिर गया। ठंडी हवा चली और फिर पहली बूँदें धरती पर गिरीं। सूखी मिट्टी से उठी सोंधी गंध ने सबको घरों से बाहर बुला लिया। बच्चे काग़ज़ की नावें लेकर गलियों में दौड़ पड़े, पेड़ों के पत्ते धुलकर चमक उठे और मोर नाचने लगे। किसान के चेहरे पर उम्मीद की मुस्कान थी, क्योंकि अब बुवाई का समय आ गया था। चाय और पकौड़ों की खुशबू ने बारिश का आनंद दोगुना कर दिया। पहली बारिश केवल गर्मी से राहत नहीं, बल्कि जीवन में नई ताज़गी और आशा का संदेश है।

अंक-विभाजन: आरंभ 1, विषय-वस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

अथवा

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए — विषय: 'मेरी पसंदीदा कहानी'।

उत्तर

कहानी का नाम व लेखक → संक्षिप्त कथा → पसंद आने के कारण (पात्र, संदेश, भाषा) → जीवन पर प्रभाव।

आदर्श उत्तर (संक्षेप): मेरी सबसे पसंदीदा कहानी प्रेमचंद की 'ईदगाह' है। ईद के मेले में छोटा हामिद अपने तीन पैसों से खिलौने या मिठाई नहीं खरीदता, बल्कि अपनी दादी अमीना के लिए चिमटा ले आता है, ताकि रोटियाँ सेंकते समय उनकी उँगलियाँ न जलें। दोस्त पहले उसका मज़ाक उड़ाते हैं, पर अपने तर्कों से वह सबको चुप कर देता है। दादी चिमटा देखकर रो पड़ती हैं। यह कहानी मुझे इसलिए प्रिय है कि इसमें एक बच्चे का त्याग, समझदारी और प्रेम बहुत सरल भाषा में दिखाया गया है। यह सिखाती है कि सच्ची खुशी दूसरों के दुख को समझने में है।

अंक-विभाजन: आरंभ 1, विषय-वस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

8. *लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए (प्रत्येक 2 अंक)।* **4**

(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कथावस्तु के दृश्य तय करने में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर
कथानक के अनुसार दृश्य का औचित्य, समय-स्थान के आधार पर विभाजन, तार्किक क्रम, उबाऊ दृश्यों से बचाव।

1. कहानी को समय और स्थान के आधार पर बाँटकर दृश्य बनाए जाएँ।
2. हर दृश्य कथानक को आगे बढ़ाए और उसका क्रम तार्किक हो।
3. ऐसे लंबे या उबाऊ दृश्य न हों जो नाटक की गति रोक दें।

(कोई दो बिंदु = 2 अंक)

अथवा

(क) सामान्यतः रेडियो नाटक की अवधि कितनी होती है और क्यों? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर
प्रायः 15 से 30 मिनट; क्योंकि केवल सुनकर किसी चीज़ पर ध्यान टिकाने की मनुष्य की क्षमता सीमित है और रेडियो पर कार्यक्रम निश्चित समय-सारणी में चलते हैं।

अवधि: सामान्यतः 15–30 मिनट।
कारण: (1) श्रव्य माध्यम में श्रोता की एकाग्रता लंबे समय तक नहीं टिकती; (2) रेडियो पर हर कार्यक्रम का समय पहले से तय होता है।
(अवधि 1 अंक + कोई एक कारण 1 अंक)

(ख) अप्रत्याशित लेखन किसे कहते हैं? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर
किसी नए, अचानक दिए गए विषय पर कम समय में अपने विचारों को जुटाकर सुंदर, सुगठित ढंग से लिखना अप्रत्याशित लेखन है।

जब पहले से तैयारी किए बिना किसी अनपेक्षित या नए विषय पर लिखना पड़े, तो लेखक को थोड़े समय में विचार संकलित करके उन्हें क्रमबद्ध और प्रभावी भाषा में व्यक्त करना होता है — यही अप्रत्याशित विषयों पर लेखन है।
इससे मौलिक सोच और अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़ती है।

अथवा

(ख) मुद्रित (प्रिंट) माध्यम की कोई दो विशेषताएँ बताइए। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर
छपे शब्दों में स्थायित्व; लिखित भाषा का विस्तार; चिंतन-विश्लेषण का माध्यम; पाठक अपनी सुविधा से कभी भी पढ़ सकता है।

1. स्थायित्व — छपे शब्द लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं, उन्हें बार-बार पढ़ा जा सकता है।
2. चिंतन और विश्लेषण — पाठक धीरे-धीरे पढ़कर गहराई से सोच सकता है।
3. लिखित भाषा का विस्तार और प्रामाणिक रिकॉर्ड।

(कोई दो = 2 अंक)

9. *जनसंचार माध्यम पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 3 अंक)।* **6**

(क) 'इंटरनेट पत्रकारिता' के लोकप्रिय होने के तीन कारण स्पष्ट कीजिए। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

तीव्र व तत्काल सूचना; दृश्य-श्रव्य-लिखित सब रूपों में उपलब्ध; ख़बर की तुरंत पुष्टि और पृष्ठभूमि; बहस, आदान-प्रदान और मनोरंजन का साधन।

1. यह सबसे तेज़ माध्यम है — घटना होते ही ख़बर दुनिया भर में पहुँच जाती है।
2. इसमें लिखित पाठ, चित्र, वीडियो और ऑडियो — सब एक साथ मिल जाते हैं।
3. ख़बरों की तुरंत पुष्टि, सत्यापन और उनकी पृष्ठभूमि (पुरानी जानकारी) तुरंत खोजी जा सकती है।
4. पाठक टिप्पणी, चर्चा और सूचना के आदान-प्रदान में भाग ले सकता है।

(कोई तीन = 3 अंक)

(ख) पत्रकारीय विशेषज्ञता का क्या अर्थ है? यह व्यावसायिक विशेषज्ञता से किस प्रकार भिन्न है? (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

बिना औपचारिक डिग्री के भी किसी विषय की जानकारी और अनुभव के आधार पर उसे सरलता से समझा सकने की क्षमता पत्रकारीय विशेषज्ञता है; व्यावसायिक विशेषज्ञता के लिए उस विषय की औपचारिक प्रशिक्षण/डिग्री चाहिए।

आशय (1 अंक): पत्रकार किसी क्षेत्र (जैसे खेल, अर्थव्यवस्था) का व्यावसायिक प्रशिक्षण न लेने पर भी अध्ययन, अनुभव और रुचि से इतनी समझ बना लेता है कि उस विषय की घटनाओं को पाठकों को सहज ढंग से समझा सके।

अंतर (2 अंक): व्यावसायिक विशेषज्ञता (जैसे डॉक्टर, अर्थशास्त्री) के लिए उस विषय की औपचारिक डिग्री आवश्यक है, जबकि पत्रकारीय विशेषज्ञता जानकारी, अनुभव और रुचि पर टिकी होती है।

(ग) समाचार लेखन की कला साहित्यिक लेखन से किस प्रकार अलग है? (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

साहित्य में कल्पना भी, समाचार में केवल वास्तविक व सामयिक घटनाएँ; साहित्य आत्म-संतोष के लिए, समाचार पाठक और तात्कालिकता को ध्यान में रखकर; साहित्य में समय-सीमा नहीं, समाचार में समय सबसे महत्त्वपूर्ण।

1. साहित्यिक लेखन कल्पना पर भी आधारित हो सकता है, जबकि समाचार केवल वास्तविक, सामयिक घटनाओं और मुद्दों पर होता है।
2. साहित्य प्रायः लेखक के आत्म-संतोष और अभिव्यक्ति के लिए लिखा जाता है; समाचार पाठकों की ज़रूरत और तात्कालिकता को ध्यान में रखकर।
3. साहित्य पर समय की बंदिश नहीं होती, समाचार निश्चित समय-सीमा (डेडलाइन) में लिखा जाता है; भाषा भी सीधी, सरल और उलटा पिरामिड शैली में होती है।

10. *काव्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 3 अंक)।* **6**

(क) आलोक धन्वा की कविता 'पतंग' में कहा गया है कि 'वे' जन्म से ही अपने साथ कपास लेकर आते हैं। स्पष्ट कीजिए कि कवि ने यह किनके लिए और क्यों कहा है। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

बच्चों के लिए; क्योंकि बच्चे कपास की तरह कोमल, हल्के, लचीले और भावनाओं में स्वच्छ-पवित्र होते हैं।

किनके लिए: पतंग उड़ाने वाले बच्चों के लिए।
क्यों: (1) बच्चों का शरीर कपास जैसा हल्का और लचीला होता है, इसलिए छतों पर दौड़ते-गिरते भी उन्हें चोट का डर नहीं होता; (2) उनकी भावनाएँ सफ़ेद कपास की तरह स्वच्छ और पवित्र होती हैं; (3) वे स्वभाव से कोमल और मुलायम होते हैं।

(ख) कुँवर नारायण की कविता 'बात सीधी थी पर' के आधार पर बताइए कि कवि ने भाषा को 'सहूलियत' से बरतने की सलाह क्यों दी है। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

ताकि बात का भाव आसानी से समझ आए; भाषा का उद्देश्य ही संप्रेषण है; चमत्कार और शब्दों के आडंबर से बात उलझ जाती है।

1. सरल, सहज भाषा में कही गई बात श्रोता/पाठक तक आसानी से पहुँचती है — भाषा का मूल उद्देश्य यही है।
2. कवि ने देखा कि भाषा के चक्कर में पड़कर, उसे तोड़-मरोड़कर कहने से सीधी बात भी टेढ़ी हो गई और अर्थ खो गया।
3. सहजता से बरती भाषा संप्रेषण-शक्ति और रोचकता दोनों बनाए रखती है।

(ग) फ़िराक़ गोरखपुरी की रुबाइयों में उभरे घरेलू जीवन के बिंबों की सुंदरता स्पष्ट कीजिए। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

माँ का बच्चे को आँगन में हाथों पर झुलाना, हवा में उछालना; नहलाकर कपड़े पहनाना, बाल संवारना; दीवाली पर घरौंदे में दीया; चाँद के लिए ज़िद पर दर्पण दिखाना; रक्षाबंधन पर बहन का राखी बाँधना।

1. आँगन में खड़ी माँ बच्चे को हाथों पर झुलाती और हवा में उछालती है — बच्चे की खिलखिलाहट से वात्सल्य का सजीव चित्र।
2. नहलाकर, घुटनों में लिटाकर कपड़े पहनाना और उलझे बालों में कंघी करना — ममता का कोमल बिंब।
3. दीवाली की शाम सजे घर में माँ का बच्चे के घरौंदे में दीया जलाना; चाँद के लिए ज़िद करने पर दर्पण में चाँद दिखाना; रक्षाबंधन पर बहन का चमकती राखी बाँधना।
ये बिंब सरल, आत्मीय और दृश्य जैसे जीवंत हैं।

11. *काव्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 2 अंक)।* **4**

(क) हरिवंशराय बच्चन की कविता 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' के आधार पर बताइए कि चिड़ियों के परों में चंचलता आने के क्या कारण हो सकते हैं। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

अपने बच्चों के प्रति ममता; दिन भर बिछुड़े बच्चों से जल्दी मिलने की चाह; उन्हें भोजन, स्नेह और सुरक्षा देने की चिंता।

शाम होते ही चिड़ियों को याद आता है कि घोंसले में बच्चे उनकी राह देख रहे होंगे और दाना पाने की आशा में नीड़ से झाँक रहे होंगे।

बच्चों से जल्दी मिलने, उन्हें भोजन और स्नेह देने की यही व्याकुलता उनके परों में तेज़ी/चंचलता भर देती है।

(कोई दो कारण = 2 अंक)

(ख) शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'उषा' में भोर के आकाश की तुलना राख से लीपे हुए गीले चौके से की गई है। इसका क्या अभिप्राय है? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

भोर का आकाश ओस से नम, हल्का धूसर और लीपे हुए चौके की तरह पवित्र-स्वच्छ दिखता है; अभी पूरा प्रकाश नहीं फैला।

गाँव में राख से लीपा चौका पवित्रता का प्रतीक होता है और लीपने के बाद गीला होने से हल्का धूसर दिखता है।

भोर के समय ओस के कारण आकाश भी नम लगता है और पूरी रोशनी न फैलने से उसमें हल्की कालिमा रहती है — इसलिए वह गीले, लीपे चौके जैसा पवित्र और नम प्रतीत होता है।

(ग) तुलसीदास (कवितावली) के अनुसार पेट की आग कैसी है और उसे कैसे बुझाया जा सकता है? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

पेट की आग समुद्र की आग (बड़वानल) से भी भयानक है; इसे केवल राम रूपी घनश्याम (बादल) की कृपा-वर्षा ही बुझा सकती है।

तुलसी कहते हैं कि पेट भरने के लिए लोग ऊँचे-नीचे, धर्म-अधर्म हर काम करते हैं, यहाँ तक कि अपनी संतान तक बेच देते हैं — पेट की यह आग बड़वानल से भी बढ़कर है।

इस आग को कोई सांसारिक उपाय नहीं, केवल राम रूपी श्याम मेघ की कृपा ही शांत कर सकती है।

12. *गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 3 अंक)।* **6**

(क) महादेवी वर्मा के संस्मरण 'भक्तिन' के आधार पर बताइए कि अनेक कमियों के बावजूद भक्तिन लेखिका के लिए अनमोल क्यों थी। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

लेखिका के हर कष्ट को पहले स्वयं झेलने की तत्परता; जीवन भर की कमाई लेखिका को सौंपने को तैयार; निःस्वार्थ सेवा और गहरा अपनत्व; हर परिस्थिति में साथ (जेल तक जाने को तैयार)।

भक्तिन में कई दोष थे — वह बात को अपने ढंग से बदल देती, इधर-उधर पड़े पैसे रख लेती, अपनी ज़िद पर अड़ी रहती।

फिर भी: (1) वह लेखिका के हर दुख को पहले स्वयं सह लेने को तैयार रहती थी; (2) युद्ध के समय अपनी जीवन भर की कमाई और गाँव का घर लेखिका को देने को तत्पर थी; (3) उसकी सेवा निःस्वार्थ थी और लेखिका के प्रति उसका अपनत्व छाया की तरह साथ रहने वाला था।

इन्हीं गुणों के कारण वह लेखिका के लिए अनमोल थी।

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'पहलवान की ढोलक' में कहा गया है कि एक आवाज़ मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती थी। गाँव को मृत क्यों कहा गया है और कौन-सी आवाज़ किस प्रकार उसे संजीवनी देती थी? (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

महामारी (मलेरिया-हैजा) से लोग मर रहे थे, गाँव में सन्नाटा और निराशा थी — इसलिए मृत; लुट्टन पहलवान की ढोलक की आवाज़ लोगों को मौत से लड़ने का उत्साह देती थी।

मृत कहने का कारण: महामारी के कारण रोज़ लोग मर रहे थे, घर ख़ाली हो रहे थे, रात में भयावह सन्नाटा रहता था; जीवित लोग भी निराश और शक्तिहीन होकर मृतप्राय थे।

संजीवनी: लुट्टन पहलवान रात भर ढोलक बजाता था। उसकी आवाज़ सुनकर बूढ़ों-बच्चों-जवानों की बुझी आँखों के सामने दंगल का दृश्य नाच उठता, शिथिल नसों में बिजली-सी दौड़ जाती और वे मौत के भय से लड़ने का साहस पाते; मरते समय भी उन्हें पीड़ा कम महसूस होती।

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध 'शिरीष के फूल' के आधार पर बताइए कि लेखक ने शिरीष को अवधूत (कालजयी संन्यासी) क्यों माना है। (लगभग 60 शब्द)

उत्तर

भीषण गर्मी-लू में भी फूलों से लदा, लहलहाता रहता है; विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और अजेय जिजीविषा; निस्पृह, अविचल खड़ा रहना; वायुमंडल से रस खींचकर जीना।

1. जब धरती अग्नि-कुंड की तरह तप रही होती है, तब भी शिरीष फूलों से लदा रहता है — जैसे अवधूत हर सुख-दुख में समान रहता है।
2. वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता और अपनी अजेय जीने की इच्छा से काल और मृत्यु को चुनौती देता है।
3. वायुमंडल से रस खींचकर, निस्पृह भाव से अविचल खड़ा रहता है और जीवन के अजेय मंत्र का प्रचार करता है।

13. *गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 2 अंक)।* **4**

(क) जैनेंद्र कुमार के पाठ 'बाज़ार दर्शन' के आधार पर बताइए कि 'पर्चेज़िंग पावर' से क्या तात्पर्य है और इसका बाज़ार पर क्या असर पड़ता है। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

पर्चेज़िंग पावर = खरीदने की शक्ति (पैसे की ताक़त); इसके घमंड में लोग ज़रूरत से ज़्यादा ख़रीदते हैं, जिससे बाज़ार में बाज़ारूपन (कपट, शोषण) बढ़ता है और बाज़ार को शैतानी शक्ति मिलती है।

तात्पर्य (1 अंक): व्यक्ति के पास खरीदारी की जो आर्थिक क्षमता है, उसे पर्चेज़िंग पावर कहते हैं।
प्रभाव (1 अंक): लोग इस शक्ति का दिखावा करने के लिए अनावश्यक चीज़ें ख़रीदते हैं; इससे बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ता है, कपट और शोषण बढ़ता है, सद्भाव घटता है।

(ख) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि डॉ. आंबेडकर की कल्पना का समाज कैसा होगा। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता पर आधारित; गतिशील समाज; पेशा चुनने की स्वतंत्रता; सबको समान अवसर; जातिगत भेदभाव का अंत।

आंबेडकर का आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता और भाईचारे पर टिका होगा।
उसमें इतनी गतिशीलता होगी कि कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के हर हिस्से तक पहुँच सके; हर व्यक्ति को अपना व्यवसाय चुनने की आज़ादी और समान अवसर मिलेंगे; सब एक-दूसरे के हितों में भागीदार होंगे और जातिगत भेदभाव नहीं रहेगा।
(कोई दो बिंदु = 2 अंक)

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में इंदर सेना 'पानी दे, गुड़धानी दे' गाती है। गुड़धानी क्या है और उसकी माँग क्यों की जा रही है? (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

गुड़धानी = गुड़ और भुने चने/अनाज से बना लड्डू; अच्छी वर्षा से अच्छी फ़सल होगी, तभी समृद्धि और भरपेट भोजन मिलेगा — इसलिए पानी के साथ गुड़धानी की माँग।

गुड़धानी (1 अंक): गुड़ और भुने हुए अनाज (चना/गेहूँ) को मिलाकर बनाया गया लड्डू।
माँग का कारण (1 अंक): गाँव वाले चाहते हैं कि वर्षा हो, खेती अच्छी हो और घर अन्न से भरें — गुड़धानी यहाँ खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है।

14. *पूरक पाठ्यपुस्तक (वितान) पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए (प्रत्येक 2 अंक)।* **4**

(क) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में आज के समाज में परिवार की संरचना और स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

एकल परिवार पर ज़ोर; नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की बातों को नकारती है; माताएँ बच्चों का पक्ष लेती हैं; खान-पान-पहनावे में आधुनिकता; बुज़ुर्गों की उपेक्षा।

1. आज संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार बढ़ रहे हैं, जहाँ बच्चे अपने निर्णय स्वयं लेते हैं।
2. नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की सलाह और परंपराओं को पुराना मानकर नकार देती है; यशोधर बाबू की पत्नी की तरह कई माताएँ भी बच्चों के पक्ष में आधुनिकता अपना लेती हैं।
3. घर में बुज़ुर्ग अपने ही परिवार में अकेले और उपेक्षित महसूस करते हैं।

(कोई दो बिंदु; स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर भी मान्य)

(ख) आनंद यादव की आत्मकथा-अंश 'जूझ' के शीर्षक का अर्थ बताते हुए उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

'जूझ' = संघर्ष; लेखक (आनंदा) पढ़ने के लिए पिता के विरोध, खेती के काम और स्कूल की कठिनाइयों से लगातार जूझता है, इसलिए शीर्षक उपयुक्त है।

अर्थ: जूझ का अर्थ है संघर्ष करना।
औचित्य: पूरी कथा में आनंदा पढ़ाई के लिए संघर्ष करता है — पिता को मनाने के लिए, खेत-खलिहान के काम और पढ़ाई के बीच तालमेल बिठाने के लिए, स्कूल में शरारती लड़कों से बचने और अपनी पहचान बनाने के लिए। अतः 'जूझ' शीर्षक कथा के केंद्रीय भाव को प्रकट करता है।

(ग) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए कि मुअनजो-दड़ो की सभ्यता छोटेपन में भी बड़प्पन का अनुभव कराने वाली सभ्यता थी। (लगभग 40 शब्द)

उत्तर

यह 'लो प्रोफाइल' सभ्यता थी — राजा की मूर्ति का मुकुट छोटा, नावें छोटी, भव्य महल-मंदिर-पिरामिड-समाधियाँ नहीं, हथियार नहीं; फिर भी नगर-नियोजन, जल-निकास और सौंदर्य-बोध उत्कृष्ट।

1. वहाँ राजसत्ता या धर्मसत्ता का दिखावा करने वाले भव्य महल, मंदिर, पिरामिड या राजाओं की समाधियाँ नहीं मिलीं; राजा (याजक-नरेश) की मूर्ति का मुकुट भी छोटा है, नावें भी छोटी हैं।
2. हथियार नहीं मिले, अर्थात् शक्ति का प्रदर्शन नहीं था।

फिर भी सुनियोजित नगर, ढकी नालियाँ, कुएँ और कलात्मक वस्तुएँ इसकी महानता दिखाती हैं — यानी लघुता में महत्ता।

— समाप्त —

Questions restated from the CBSE Class XII Board Examination 2024 (set 2/1/1) for practice. Reading passages and map items are described, not reproduced.